शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 24-09-2020, वर्ग - BA-III

---

प्रश्न-1. 1929 की महान आर्थिक मंदी के कारणों की परिक्षण कीजिए। आर्थिक पुनरुत्थान की प्रोन्नति के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में क्या उपाय किए गए तथा वे किस सिमा तक सफल रहे ?

Ans :- प्रथम महायुद्ध के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रकृति और संगठन में महत्वपूर्ण परिवर्तन उपस्थित हुए। महायुद्ध से पहले ब्रिटेन संसार का प्रमुख ऋणदाता देश था। महायुद्ध के बाद यह स्थान अमेरिका को प्राप्त हो गया। 1919 से लेकर 1929 तक अमेरिका के राष्ट्रीय उत्पादन में 43% की वृद्धि हुई। श्रमिकों की मजदूरी (वास्तविक तथा मौद्रिक) बढ़ गयी तथा बेरोजगारी लगभग समाप्त हो गई। 1922 से लेकर 1929 तक अमेरिका में विदेशी व्यापार में 28% की वृद्धि हुई। 1929 तक अमेरिका 2100 करोड़ डॉलर का ऋणदाता बन गया तथा निर्यात आधिक्य के भुगतान स्वरूप उसके पास संसार का 28% स्वर्ण कोष एकत्रित हो गया। इस तरह 1929 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था समृद्धि की चरम सीमा तक पहुँच गई थी। October

1929 में Wall Street crisis के साथ अमेरिका में महान आर्थिक अवसाद का युग प्रारंभ हुआ जो 1933 तक चलता रहा। मंदी की भीषणता का अनुमान निम्न तथ्यों से लगाया जा सकता है:

(1) राष्ट्रीय आय में गिरावट :- अमेरिका की ~~आर्थिक~~ मौद्रिक आय 1929 में 810 करोड़ डॉलर से घटकर 1932 में 498 करोड़ डॉलर रह गयी। इसका परिणामस्वरूप देशवासियों के जीवन स्तर (उपभोग-स्तर) में 20% गिरावट आयी।

(2) हिस्सों और प्रतिभूतियों के मूल्यों में गिरावट → औद्योगिक संस्थाओं के शेयरों का मूल्य सितम्बर 1929 में 364.9 डॉलर से घटकर जनवरी 1933 तक 62.7 डॉलर रह गया। इस बीच सार्वजनिक सेवाओं में संलग्न संस्थाओं के शेयरों का मूल्य 141.9 डॉलर से घटकर 28 डॉलर तथा तेल कम्पनियों के शेयरों का मूल्य 189 डॉलर से घटकर 28.1 डॉलर रह गया।

(3) थोक मूल्य और मजदूरियों में गिरावट → 1923 को आधार वर्ष मानते हुए थोक मूल्य सूचकांक 1929 में 95.4 से घटकर 1933 में 65.9 रह गया।

मजदूरीयों के मूल्य सूचकांक 1929 में 100.5 से गिरकर 1933 में 40 रह गया।

(4) औद्योगिक उत्पादन में गिरावट ⇒ औद्योगिक उत्पादन में समग्र रूप से 50% की गिरावट आयी, यद्यपि भारी उद्योगों और टिकाऊ-उपभोक्ता-वस्तु उद्योगों के उत्पादन के गिरावट 80% तक थी। 1932 के दौरान पूँजीगत पदार्थों के मूल्यों में 35% की गिरावट आ गई तथा समान्य से 47% का उत्पादन हुआ।

(5) रोजगार में गिरावट :⇒ 1923 को आधार वर्ष मानते हुए रोजगार का सूचकांक 1929 में 97.5 से गिरकर 1933 में 64.6 रह गया। October 1930 में बेरोजगार श्रमिकों की संख्या 46.39 लाख थी जो जनवरी 1933 तक बढ़कर 130 लाख हो गई।

(6) विदेशी व्यापार में गिरावट ⇒ अमेरिकी निर्यात-व्यापार मूल्य 1929 में 524.1 करोड़ डॉलर से घटकर 1932 में 161.1 करोड़ रह गया। इस बीच आयात व्यापार का मूल्य 439.9 करोड़ डॉलर से घटकर 132.3 करोड़ डॉलर रह गया।

(7) कृषि की दयनीय स्थिति ⇒ 1932 तक कृषि-पदार्थों का मूल्यों में 50% की गिरावट आयी। प्रति कृषक परिवार औसत वार्षिक आय 1929 में 847 डॉलर से घटकर 1932 तक 242 डॉलर रह गई। गेहूं का उत्पादन 1929 में 80.65 करोड़ से घटर 1932 में 72.62 करोड़ बुशल तथा कपास का उत्पादन 149 मिलियन गाँठ से घटकर 127 मिलियन गाँठ रह गया।

## आर्थिक अवसाद के कारण

रोबिन्स के अनुसार, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पन्न महामंदी का मुख्य कारण वास्तविक बचतों की अपेक्षा निवेश की अधिकता थी। शुम्पीटर ने नवप्रवर्तनों के प्रवाह द्वारा पोषित परिवहन एवं कृषि क्रांतियों को आर्थिक मंदी के उपस्थिति के लिए उत्तरदायी ठहराई। हैन्सन के शब्दों में, महामंदी इस तथ्य का परिणाम थी कि अनेक वृहद् निवेश अभिवृद्धियाँ उस समय समाप्त होगये जिस समय अमेरिकी अर्थव्यवस्था की परिस्थिति अत्यधिक बचत एवं निवेश, अवसरों में समान्य गिरावट में हो रही थीं। संक्षेप में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उपस्थित तीव्र की महामंदी